काहाणी :- [४]

[२०]मेटे अगुटे जब डिच डीगते सेने ड डो दिकू नी अंजीर गा सिन्ज के जाळी तयान ळोखळे डोके |
[२१]पतरस के देडेन यादो हेन ,येठा डिच नी डीज्य ते माडीके ,''हे रब्बी ,दोगे !येडेन अंजीर गा सिन्ज के डिके आम नी सरपो जीके ड ,ळोखळे होय |"
[२२]यीशु नी डिच के जवाब जीके ,''परमेश्वर लिजेन विश्वास डोय |
[२३]इंज आपे ते सच्चो माडीबा होय कि जो जे का भी इनी पहाड ते माडे कि ,'आम तुजू ,येठा समुद्रन नी सेने ,'येठा आपण मनेन नी जार सा भी खोटो बाकी दोडो ,वरण देडेन प्रति डाय कि जो मादेबा होय देडेन डायुवा ,डो दियगा घाल्जी देगो का डाऊ वा |
[२४]इनी घाल्जी इंज आपे ते माडीबा होय कि जो चोच का भी आपे प्रार्थना डाय ते आसे ,डो इफिर चिन्या कि आपेन घाटयन ,येठा आपे घाल्जी डायु वा |
[२५]येठा जब चोलका भी आपे तेगेन ते प्रार्थना दाडाबा होय डो अगर आम गा मनेन नी जे का भी खिलाफ चोच का भी खिजो होय ,डो माफकेच इनी घाल्जी कि आपे गा स्वर्गीय बाटे भी आपे गा भी गुन्हा माफ कि |
[२६][येठा अगर आम माफी बाने टासो डो आम गा बाटे भी जो स्वर्ग नेच होय ,आम गा गुन्हा के माफी बान्जू |"]